प्रश्न- विद्यापति प्रधानतः श्रृंगारिक कवि छलाह।

स्नातक- प्रथम खण्ड
मैथिली प्रतिष्ठा- प्रथमपत्र
तथा- मातृभाषा मैथिली (प्रथम-खण्ड)

श्रृंगार रसकें रसराजक संज्ञा देल गेल अछि। मनुष्यमे श्रृंगारिकता ओ वीरता- ई दुनू भावना अनादिकाल सँ आबि रहल अछि। विभिन्न परिस्थितिमे मनुष्यक मोनमे जे स्नेह प्रेममय वातावरणक सृष्टि होइत अछि तकरे अभिव्यक्ति साहित्यमे श्रृंगार रस कहबैत अछि।

संस्कृत साहित्यक परम्परानुसार श्रृंगार रसक जे धारा प्रवाहित होइत आबि रहल अछि से समयक क्रममे जयदेवक गीतगोविन्दक कोमलकान्त पदावली द्वारा निःसृत भेल। समय पाबि वएह स्वर, वएह ध्वनि, वएह रस, वएह कोमलता ओ मधुरता लए मैथिल कोकिलक कलकूजन मिथिलाक आम्रकाननमे प्रतिध्वनित भेल। लगभग पाँच सए वर्ष बीति गेल, श्रृंगार रसक ओ मंदाकिनी आइयो कल-कल, छल-छल करैत मिथिलाक जन-मानसकें अभिसिंचित कए रहल अछि। मिथिलाक महिलावर्गमे आइयो — नाना प्रकारक तिरहुत, बटगबनी, झुमरि, मान, विरह आदि आ नहि जानि आन कतेक प्रकारक विद्यापतिक श्रृंगारिक गीत सुरक्षित अछि जे एतेक समय बीतलाक बाद कालक कठोरतामे दबि नहि सकल। आइयो मिथिलाक जनजीवनमे लोककण्ठसँ निःसृत स्वर-लहरी विद्यापतिक पदक श्रृंगारिकताक परिचय दए रहल अछि। विद्यापतिक श्रृंगाररसक अधिष्ठाता छथिन्ह कृष्ण एवं अधिष्ठात्री छथिन्ह राधा। राधाक सौन्दर्यवर्णनमे महाकवि कनेको कसरि उठा नहि रखलन्हि अछि। राधाक सौन्दर्यवर्णन करैत कवि कहैत छथि —

"सारंग नयन, वचन पुनि सारंग, सारंग तसु समधाने।
सारंग उपर उगल दस सारंग, केलि करय मधुपाने॥"

ઓહિ રાધાક સૌન્દર્યક પ્રસંગ —

કબરી ભય ચામર ગિરિ કન્દર મુખ ભય ચાન્દ આકાશે
હરિ નયન ભય સ્વર ભય કોકિલ ગતિ ભય ગજ વનવાસે।

રાધા ઓ કૃષ્ણક પ્રેમ-વર્ણન અનવરત ચલિ આબિ-
રહલ અછિ આ ચલૈત રહત। સર જાર્જ અબ્રાહમ
ગ્રિયર્સન શબ્દમે — હિન્દુ ધર્મક સૂર્યાસ્ત ભઽ જાએ
સે સંભવ, રાધા ઓ કૃષ્ણક આધ્યાત્મિકતામે
લોકક વિશ્વાસ નહિ રહએ કિન્તુ રાધા ઓ કૃષ્ણક
પ્રેમગીત સામદિન અપન ચિરન્તનતા લેને રહત।
સૌન્દર્ય વર્ણનમે મહાકવિક રાધા વયઃસન્ધિક દ્વારિ
(2) પર ઠાઢ઼ છથિન્હ —

સૈસવ યૌવન દુહુ મિલિ ગેલ
શ્રવણક પથ દુહુ લોચન લેલ ઓ
નિર્ભર ઉરજ હેરય કત બેરિ
હંસય અપન પયોધર। હેરિ"

સંયોગ શૃંગારમે કવિક રાધા નવયૌવનવતી ભઽ જાઈત
છથિ તથાપિ હુનકા સખિ શિક્ષાક આવશ્યકતા
રહૈત છથિ કિન્તુ ગરઝન વરહ રાધા પ્રગલ્ભા
ભઽ જાઈત છથિ તેં કહૈ ઉઠૈત છથિ —

સખિ કી પુછસિ ~~અનુભવ મોય~~ રાતુક બાત
માનિક પરલ કુવાનિક હાથ।

રાધાક ઈ સાંસારિક ચિત્ર થિક। કૃષ્ણક
આરાધિકા રાધા તેં સખીક દ્વારા પુછલ ગેલ ઉપર્યુક્ત
પ્રશ્નક ઉત્તર ઉરૈ દેતિહ —

"સખિ કી પુછસિ અનુભવ મોય।
સેહો પિરિત અનુરાગ વખાનિત
તિલ-તિલ નૂતન હોય।"

વિદ્યાપતિક કાવ્યકૌશલ સંયોગસં અધિક વિયોગક

वर्णनमे निखरि उठल अछि। वियोगक रूपक मर्म-स्पर्शी वर्णन विरल कविक रचनामे उपलब्ध होइछ। विद्यापतिक नायिका कें संयोगक अनुभव तँ भेल छलन्हि लेकिन समय सभदिन एक समान नहि रहैछ। राधाक जीवनमे सेहो संयोगक वसंतक पश्चात विरहक ग्रीष्मऋतु आएल छन्हि, आ राधा कानि उठलीह —

विपत अपत तरु पाओल रे, पुनि नव नव पात।
विरहिनि हृदय विहल विहरे, अविरल बरिसात।"

विद्यापति सफल कवि आर कलाकार छलाह। नर-नारी हृदयक सकुल प्रेममे सौन्दर्यक चित्रकार छलाह। विद्यापतिक विरहिणी नायिका राधा, सावन-भादव मासमे जे उत्कंठित भऽ उठैत छथि से स्वाभाविके

(3) थिक। वस्तुतः जखन भादवक अन्हरिया रातिमे आन्य-अन्य पुनमति प्रियतम कें बज्रास विजुरीक चमकलासँ प्रियतमक कोरमे समाउत छथि तँ राधा करुण अश्रु-विगलित होइत छथि। नायिका राधाक ई पाँती देखू —

सखि हे हमर दुखक नहि ओर।

नायिका एहि गद्यमे हुनक विरह-वेदना मूर्त भऽ उठल अछि।

विद्यापति मानक बड़ मनोरमा चित्र प्रस्तुत कएलन्हि अछि। नायिका राधाकें हुनक सखि कहैत छथिन्ह जे हे राधा एतेक दिन धरि अहाँ पर पंचबाणक प्रभाव नहि छल आ ऋतुराज वसंतक प्रादुर्भाव नहि भेल छल आब तँ ऋतुराज वसंतक प्रभाव पड़ि गेल अछि। कामदेव अपन पंचबाणसँ युवक ओ युवतीक हृदयकें बेधा करबाक हेतु प्रस्तुत छथि। पद देखू —

" मानिनि आब कि मान तोहार,
एत दिन मान सबेहुँ तोहे राखल पञ्चबान छल थोर।
अब अनङ्ग हे भारी देखिअ समय पाय के बोल

Scanned with CamScanner

विद्यापतिक राधा कृष्णक नेहक सौन्दर्यक

वर्णन करैत कवि जे चिरंतन अछि, शाश्वत अछि,
प्रेममय अछि, मनोरम अछि। जीवनभरि श्रीकृष्णक
रूप-माधुरीक पान करैत रहितो जाहि कवि मुदा तइयो हि
हुनक पिपासा दर्शनाभिलाषा, मिलनक आतुरता,
संयोगक व्यग्रता की कम भऽ पबैत अछि। जा
जनमे कृष्ण के बेचारी राधा कहि उठैत छथि —

जनम अवधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल
कत मधुयामिनि रभसि गमाओल न बुझल कैसन केलि।

4 वस्तुतः महाकवि विद्यापति सौन्दर्यक
प्रवीण पुजारी छलाह आ ओ एतेक सामर्थ्य बितलाउतार
हिनक ओ पद सभ जाहिमे ओ रूपसौन्दर्यक एवं
प्रेमक वर्णन कयलनि अछि सर्वदा नूतन प्रतीत
भेल अछि। कविक काव्यक रहस्य मूलभूत विशेषता
थिक जे दिवाकरो अमर बनौने रहतैक।

Scanned with CamScanner